MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY & SCIENCE, GWALIOR (M.P.), INDIA
माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर (म.प्र.), भारत
DEEMED UNIVERSITY
(Declared under Distinct Category by Ministry of Education, Government of India)
NAAC ACCREDITED WITH A++ GRADE

DEPARTMENT OF MECHANICAL ENGINEERING

MONSOON 2025 E-NEWSLETTER

दर्पणम् **Darpanam** آرسی

INSIDE

VISION AND MISSION 1
CHAIR LETTER 2
EVENTS & ACTIVITIES 3
FACULTY NEWS 21
STUDENTS NEWS 25
ALUMNI NEWS 29
STUDENT WRITINGS 30
PROGRAM OUTCOMES 37
NEWSLETTER COMMITTEE 38
DISCLAIMER 39

Dr. Surendra Kumar Chourasiya
Faculty *Incharge*
Harsh Bhardwaj
Editor

Vision

"To develop innovative and creative Mechanical Engineers catering the global industrial requirements and social needs"

Mission

- To prepare effective and responsible graduate engineers for global requirements by providing quality education.
- To enhance knowledge through project and internship in the field of Mechanical and allied engineering.
- To guide students in acquiring career-oriented jobs in the field of Mechanical engineering.
- To provide academic environment of excellence, leadership, ethical values and lifelong learning to cater the need of society by sustainable solutions.

"विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥"

Sep 2025 Vol. 9 Issue 3

CHAIR'S LETTER

Dr. Chandra Shekhar Malvi
(Head of the Department)

I am happy to note that the Department of **Mechanical Engineering** is releasing its Newsletter for **Monsoon 2025 (July - September)** enumerating the various activities and achievements of our faculty and students. Department of Mechanical Engineering is one of the oldest departments established in 1957 at **MITS Gwalior.** The department endeavors to produce confident professionals tuned to real time working environment. The department offers excellent academic environment with a team of highly qualified faculty members to inspire the students to develop their technical skills and inculcate the spirit of team work in them. The department has been steadily growing into an impressive dimension, which strives to encourage excellence in academic and co-curricular activities. I congratulate the entire Mechanical Engineering department faculties, staff and students for their contribution to department activities and look forward for future developments. The department focuses on the holistic development of the students and to engage them in creativity, innovation, entrepreneurial/start up activities.

I wish a good learning to all the students!
Warm Regards.

– Dr. Chandra Shekhar Malvi
Head of the Department
Mechanical Engineering
MITS Gwalior

EVENTS AND ACTIVITIES

दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

ग्वालियर ■ गुरुवार 18 सितंबर 2025 ■ वर्ष-27 ■ अंक-60 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार

हमारे अंदर जितना प्रेम और करुणा होगी, हमारा जीवन उतना ही सुंदर होगा और खुश रहना है तो दूसरों से उम्मीदें कम करें।

एमआईटीएस में मनाई विश्वकर्मा जयंती

ग्वालियर। विश्वकर्मा जयंती पर माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान के एस.ए.ई.क्लब टीम स्कैवेंजर्स एवं संपूर्ण वर्कशॉप स्टाफ द्वारा विश्वकर्मा जयंती पूजन का आयोजन किया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आर.के.पंडित, मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष सी.एस. मालवी, अनुसंधान प्रकोष्ठ के डीन एम.के.गौड़, एम.के.सागर, क्लब के फैकल्टी एडवाइजर प्रो. वैभव शिवहरे तथा मैकेनिकल विभाग के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। पूजन उपरांत विभागाध्यक्ष सी.एस.मालवी ने छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा जयंती का महत्व बताया और विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

Vishwakarma *Jayanti*

17 September 2025
College Campus
MITS-DU Gwalior

SAE Club and **Team Scavengers** organised **Vishwakarma Jayanti Poojan** in **MITS Gwalior. Vice Chancellor Dr. R. K. Pandit, Head of the department Dr. C. S. Malvi, Dean Research Dr. M. K. Gaur** along with other faculty members of the **department** were **present during the event.**

दैनिक भास्कर

शोभायात्रा में शामिल विश्वकर्मा गौड़ समाज के लोग।

एमआईटीएस में किया गया पूजन

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर के एसएई क्लब टीम स्कैवेंजर्स एवं संपूर्ण वर्कशॉप स्टाफ द्वारा पूजन किया गया। कुलपति आरके पंडित, मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष सीएस मालवी, अनुसंधान प्रकोष्ठ के डीन एमके गौड़, एमके सागर, क्लब के फैकल्टी एडवाइजर प्रोफेसर वैभव शिवहरे उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष सीएस मालवी ने छात्रों को विश्वकर्मा जयंती का महत्व बताया।

EVENTS AND ACTIVITIES

Media Coverage

Vishwakarma Jayanti

एमआईटीएस में विश्वकर्मा जयंती मनाई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 17 सितम्बर. विश्वकर्मा जयंती के शुभ अवसर पर माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर के एस.ए.ई. क्लब टीम स्कैवेंजर्स एवं संपूर्ण वर्कशॉप स्टाफ द्वारा विश्वकर्मा जयंती पूजन का आयोजन किया गया।संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आर. के. पंडित, मैकेनिकल विभाग के विभाग के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। पूजन उपरांत विभागाध्यक्ष सी. एस. मालवी ने छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा जयंती का महत्व आह्वान किया।

कार्यक्रम में छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा,

पीपुल्स समाचार

बदलते जमाने का अखबार

एमआईटीएस में मनी विश्वकर्मा जयंती

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर

मो.नं. 9644644430

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर के एसएई क्लब टीम स्कैवेंजर्स एवं संपूर्ण वर्कशॉप स्टाफ द्वारा विश्वकर्मा जयंती पूजन का आयोजन किया गया। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आरके पंडित, मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष सीएस मालवी, अनुसंधान प्रकोष्ठ के डीन एमके गौड़, एमके सागर, क्लब के फैकल्टी एडवाइजर प्रोफेसर वैभव शिवहरे तथा मैकेनिकल विभाग के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा के योगदान का स्मरण करना और उनके आदर्शों को आत्मसात करना रहा।

दैनिक नगर चिंगारी

एमआईटीएस में मनाई विश्वकर्मा जयंती

ग्वालियर। विश्वकर्मा जयंती पर माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान के एस.ए.ई.क्लब टीम स्कैवेंजर्स एवं संपूर्ण वर्कशॉप स्टाफ द्वारा विश्वकर्मा जयंती पूजन का आयोजन किया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आर.के.पंडित, मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष सी.एस. मालवी, अनुसंधान प्रकोष्ठ के डीन एम.के.गौड़, एम.के.सागर, क्लब के फैकल्टी एडवाइजर प्रो. वैभव शिवहरे तथा मैकेनिकल विभाग के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। पूजन उपरांत विभागाध्यक्ष सी.एस.मालवी ने छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा जयंती का महत्व बताया और विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

Shodhpatra Lekhan

13 September 2025
Conclave Centre
MITS-DU Gwalior

A one day workshop on “**Writing research papers in Hindi: Why and How?**” was organised in **MITS Gwalior. Dr. Paritosh Malvi** was invited as the chief guest in the event. He poured light on why we should write research papers in hindi and educated students on how to write reasearch papers in accurate and easy to understand hindi language. **Head of the Computer Department, ABV-IIITM Gwalior Prof. Karmveer Arya** discussed his thoughts on Technical Research Paper Presentation.

सत्ता सुधार

हिन्दी में शोधपत्र लेखन व वाचन पर कार्यशाला संपन्न

PLUS BUZZ

प्रौद्योगिकी विषय पर व्याख्यान

भाषा प्रौद्योगिकी ने शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्र में क्रांति लाई

पत्रिका प्लस@ग्वालियर. द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की ग्वालियर शाखा एवं एमआइटीएस के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय भाषाओं में भाषा प्रौद्योगिकी के विकास विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन एमआइटीएस-डीयू के कॉन्क्लेव सेंटर में हुआ। संस्था अध्यक्ष डॉ.सीएस मालवी ने स्वागत भाषण में तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता डॉ.परितोष मालवीय (सह-निदेशक, राजभाषा) ने कहा कि भाषा प्रौद्योगिकी ने शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्र में क्रांति लाई है और यह सरकारी व व्यावसायिक संगठनों में हिंदी को सशक्त बना रही है। इंजीनियर राधाकिशन खेतान ने विज्ञान और तकनीक को समाज के विकास की रीढ़ बताया, जबकि प्रो. डॉ.कर्मवीर आर्य (एबीवीट्रिपलआइटीएम) ने कहा कि बिना तकनीक के आज का जीवन अधूरा है। संगठन सचिव इंजीनियर विनय शुक्ला ने बताया कि भारत सरकार द्वारा स्थापित अनुसंधान संस्थान देश के वैज्ञानिक विकास में योगदान दे रहे हैं।

दैनिक नगर चिंगारी

हिन्दी में शोधपत्र लेखन व वाचन पर कार्यशाला संपन्न

नगर चिंगारी|ग्वालियर

Media Coverage

Shodhpatra Lekhan

www.https://pmknews.page
साप्ताहिक समाचार पत्र
पंचमहल केसरी
प्रधान संपादक : एम. एस. बिशौटिया

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (MITS-DU), ग्वालियर में शनिवार 13 सितंबर 2025 को हिंदी में शोध पत्र लेखन व वाचन विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन संपन्न

पीएमके न्यूज पंचमहलकेसरी समाचार

एम एस बिशौटिया संपादक9425734503

ग्वालियर।संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि यह कार्यशाला संस्थान के कॉन्क्लेव सेंटर में प्रातः 11 बजे से प्रारंभ हुई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. परितोष मालवीय, सह-निदेशक (राजभाषा) रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDE)ग्वालियर रहे उन्होंने हिंदी में शोध पत्र लेखन क्यों और कैसे विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शोधार्थियों को सरल सटीक और प्रभावी भाषा में शोध पत्र तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया प्रो.कर्मवीर आर्य विभागाध्यक्ष संगणक विभाग ABV-IIITM ग्वालियर ने तकनीकी शोध पत्र वाचन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने शोध प्रस्तुति की तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी डॉ.मनोज कुमार गौड़ अधिष्ठाता (शोध एवं नवकरणीय) MITS-DU ने तकनीकी शोध पत्र लेखन विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने अनुसंधान पद्धति और नवीन दृष्टिकोण को अपनाने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की संरक्षक डॉ.मंजरी पंडित उपकुलगुरु MITS-DU रहीं संयोजक के रूप में डॉ.चंद्रशेखर मालवी, चेयरमैन IE(I) ग्वालियर लोकल चैप्टर एवं विभागाध्यक्ष (यांत्रिकी अभियांत्रिकी) ने कार्यक्रम का संचालन किया समन्वयक प्रो. वैभव शिवहरे एवं प्रो. भूपेंद्र पांडे रहे।इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने विज्ञान एवं तकनीकी विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों ने प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शोध कार्य में भाषा पद्धति और प्रस्तुति शैली के संतुलन पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला का आयोजन यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग MITS-DU तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (I)लोकल सेंटर ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया इस आयोजन में द भागवत क्लब की सक्रिय भूमिका रही।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिसमें सभी वक्ताओं प्रतिभागियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया।

EVENTS AND ACTIVITIES

Hindi Diwas

Talk on Language Tech

14 September 2025
Conclave Centre
MITS Gwalior

The Institution on Engineers (IEI) Gwalior branch organised a Lecture on **"Development of Language Technology in Indian Languages"** in **MITS Gwalior**. President of organisation **Dr. C. S. Malvi** shed light on importance of **Hindi language** in Technical fields as the welcome speech. Keynote speaker **Dr. Paritosh Malvi** said language technology has brought about a revolution in fields like education, health and communication.

दैनिक भास्कर 15 सितम्बर
25 P2

2

विज्ञान और तकनीक वाद-विवाद का विषय

सिटी रिपोर्टर, ग्वालियर • द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की ग्वालियर शाखा ने एमआईटीएस के सहयोग से व्याख्यान रखा। मुख्य वक्ता डॉ. परितोष मालवीय ने कहा कि हिंदी की उपयोगिता कभी खत्म नहीं हो सकता है। यह हमारी मातृभाषा है। संस्था अध्यक्ष राधाकिशन खेतान ने कहा कि समाज में विज्ञान और तकनीक वाद-विवाद का विषय बन चुकी। डॉ. कर्मवीर आर्य ने कहा कि मानवता के भले और जीवन के सुधार के लिए हमेशा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद लेनी होगी।

हिंदी के प्रति गौरव का भाव रखें, यही हमारी बड़ी ताकत

PLUS BUZZ

प्रौद्योगिकी विषय पर व्याख्यान
भाषा प्रौद्योगिकी ने शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्र में क्रांति लाई

पत्रिका प्लस@ग्वालियर. द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की ग्वालियर शाखा एवं एमआइटीएस के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय भाषाओं में भाषा प्रौद्योगिकी के विकास विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन एमआइटीएस-डीयू के कॉन्क्लेव सेंटर में हुआ। संस्था अध्यक्ष डॉ.सीएस मालवी ने स्वागत भाषण में तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता डॉ.परितोष मालवीय (सह-निदेशक, राजभाषा) ने कहा कि भाषा प्रौद्योगिकी ने शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्र में क्रांति लाई है और यह सरकारी व व्यावसायिक संगठनों में हिंदी को सशक्त बना रही है। इंजीनियर राधाकिशन खेतान ने विज्ञान और तकनीक को समाज के विकास की रीढ़ बताया, जबकि प्रो. डॉ.कर्मवीर आर्य (एबीवीट्रिपलआइटीएम) ने कहा कि बिना तकनीक के आज का जीवन अधूरा है। संगठन सचिव इंजीनियर विनय शुक्ला ने बताया कि भारत सरकार द्वारा स्थापित अनुसंधान संस्थान देश के वैज्ञानिक विकास में योगदान दे रहे हैं।

EVENTS AND ACTIVITIES

Media Coverage

Hindi Diwas

स्वदेश

ग्वालियर - मुख्य संस्करण

14 Sept 2025

हिंदी दिवस पर सम्मान समारोह आज

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर के तत्वावधान में हिन्दी दिवस पर सम्मान समारोह 14 सितम्बर को सायं 5 बजे दौलतगंज स्थित सभा भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमचंद सृजन पीठ उज्जैन के पूर्व निदेशक जगदीश तोमर करेंगे। सारस्वत अतिथि अखिल भारतीय साहित्य परिषद के

विज्ञान और तकनीकी वाद विवाद का विषय बन गए हैं

दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा एमआईटीएस के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय भाषाओं में भाषा प्रौद्योगिकी के विकास विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. परितोष मालवीय रहे। संस्था के अध्यक्ष डॉ. सीएस मालवी ने हिंदी के उपयोग की आवश्यकता और हमारे तकनीकी जीवन में इसके उपयोग के लिए आवश्यक गुर बताए। इस मौके पर ई. राधाकिशन खेतान ने कहा कि समाज में विज्ञान और तकनीकी वाद-विवाद का विषय बन गए हैं। आभार विनय शुक्ला ने व्यक्त किया। अंत में चार शोधार्थियों ने शोध पेपर प्रस्तुत किए।

दैनिक श्रमसाधना

www.shramsadhna.com

ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

महानगर

सोमवार 15 सितंबर 2025

12

हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय भाषाओं में भाषा प्रौद्योगिकी के विकास विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

ग्वालियर ब्यूरो

[illegible]

[illegible]

EVENTS AND ACTIVITIES

Anti Ragging Rally *in* MITS Gwalior

17 August 2025
College Campus
MITS Gwalior

Anti Ragging Rally was organised in **MITS Gwalior**. The rally was organised by **Dean, Students Administration Prof. R. S. Jadon** and **Dean, Students Welfare Dr. Manish Kumar Sagar** and lead by **Dr. Surendra Kumar Chourasiya**. Students participated in the rally with posters and slogans like "Ragging बंद करो - शिक्षा का सम्मान करो", हमारा campus - ragging मुक्त campus".

दैनिक सत्ता सुधार

एमआईटीएस-डीयू में निकाली एंटी रैगिंग जागरूकता रैली

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

माधव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (डीम्ड यूनिवर्सिटी) में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि रैली का संचालन डीन, स्टूडेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. आरएस जादौन और डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मनीष कुमार सागर द्वारा किया गया, जबकि रैली की अगुवाई डॉ. सुरेंद्र कुमार चौरसिया ने की। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर रैगिंग बंद करो- शिक्षा का सम्मान करो तथा हमारा कैंपस-रैगिंग मुक्त कैंपस जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए। संस्थान प्रशासन ने रैली के माध्यम से यह संदेश दिया कि रैगिंग एक दंडनीय अपराध है, जिसके खिलाफ कड़े कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों को आपसी सहयोग, भाईचारे और सम्मानजनक व्यवहार को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली का समापन परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने रैगिंग का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का संकल्प लिया।

पीपुल्स समाचार

एमआईटीएस-डीयू में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली आयोजित

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर
मो.नं. 9644644430

माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (डीम्ड यूनिवर्सिटी) में गत दिवस एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति छात्रों को जागरूक करना था।

मुकेश मौर्य ने बताया कि रैली का संचालन डीन, स्टूडेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. आरएस जादौन और डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मनीष कुमार सागर ने किया। रैली की अगुवाई डॉ. सुरेंद्र कुमार चौरसिया ने की। कार्यक्रम में संकाय सदस्य, स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर रैगिंग बंद करो जैसे नारे लगाए। रैली में रैगिंग दंडनीय अपराध है, जिसके खिलाफ प्रशासनिक व कानूनी रूप से कठोर कदम उठाए जाने का प्रावधान है, यह जानकारी विद्यार्थियों को दी।

EVENTS AND ACTIVITIES

Media Coverage

Anti Ragging Rally

दैनिक दर्शन पोस्ट

एमआईटीएस-डीयू में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का आयोजन

ग्वालियर। माधव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस डीम्ड यूनिवर्सिटी में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों को रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और रैगिंग मुक्त परिसर की भावना को सुदृढ़ बनाना था।संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश नीर्य ने बताया कि रैली का संचालन डीन, स्टूडेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. आरएस जादौन और डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मनीष कुमार सागर द्वारा किया गया, जबकि रैली की अगुवाई डॉ. सुरेंद्र कुमार चौरसिया ने की।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर 'रैगिंग बंद करो, शिक्षा का सम्मान करो' तथा 'हमारा कैंपस रैगिंग मुक्त कैंपस' जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए।संस्थान प्रशासन ने रैली के माध्यम से यह संदेश दिया कि रैगिंग एक दंडनीय अपराध है, जिसके खिलाफ कड़े कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों को आपसी सहयोग, भाईचारे और सम्मानजनक व्यवहार को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली का समापन परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने रैगिंग का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का संकल्प लिया।

दैनिक नगर चिंगारी

एमआईटीएस-डीयू में निकाली एंटी रैगिंग जागरूकता रैली

नगर चिंगारी/ग्वालियर

माधव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (डीम्ड यूनिवर्सिटी) में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश नीर्य ने बताया कि रैली का संचालन डीन, स्टूडेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. आरएस जादौन और डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मनीष कुमार सागर द्वारा किया गया, जबकि रैली की अगुवाई डॉ. सुरेंद्र कुमार चौरसिया ने की। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर 'रैगिंग बंद करो, शिक्षा का सम्मान करो' तथा 'हमारा कैंपस रैगिंग मुक्त कैंपस' जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए। संस्थान प्रशासन ने रैली के माध्यम से यह संदेश दिया कि रैगिंग एक दंडनीय अपराध है, जिसके खिलाफ कड़े कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों को आपसी सहयोग, भाईचारे और सम्मानजनक व्यवहार को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली का समापन परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने रैगिंग का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का संकल्प लिया।

एमआईटीएस में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का

द संघर्ष न्यूज ग्वालियर

ग्वालियर। माधव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (डीम्ड यूनिवर्सिटी), ग्वालियर में एंटी रैगिंग जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों को रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और रैगिंग मुक्त परिसर की भावना को सुदृढ़ बनाना था।

संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश नीर्य ने बताया कि रैली का संचालन डीन, स्टूडेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. आरएस जादौन और डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मनीष कुमार सागर द्वारा किया गया, जबकि रैली की अगुवाई डॉ. सुरेंद्र कुमार चौरसिया ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर "रैगिंग बंद करो दृ शिक्षा का सम्मान करो" तथा "हमारा कैंपस दृ रैगिंग मुक्त कैंपस" जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए।

संस्थान प्रशासन ने रैली के माध्यम से यह संदेश दिया कि रैगिंग एक दंडनीय अपराध है, जिसके खिलाफ कड़े कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों को आपसी सहयोग, भाईचारे और सम्मानजनक व्यवहार को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

रैली का समापन परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने रैगिंग का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का संकल्प लिया।

जागरुकता रैली से लिया रैगिंग मुक्त परिसर बनाने का संकल्प

एमआइटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित जागरुकता रैली में शामिल छात्र● नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर: एमआइटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी में एंटी रैगिंग जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का संचालन डीन, स्टूडेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. आरएस जादौन और डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर डा. मनीष कुमार सागर ने किया, जबकि रैली की अगुवाई डा. सुरेंद्र कुमार चौरसिया ने की। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर 'रैगिंग बंद करो, शिक्षा का सम्मान करो" और "हमारा कैंपस रैगिंग मुक्त कैंपस" जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए। संस्थान प्रशासन ने रैली के माध्यम से यह संदेश दिया कि रैगिंग एक दंडनीय अपराध है, जिसके खिलाफ कड़े कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों को आपसी सहयोग, भाईचारे और सम्मानजनक व्यवहार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। रैली का समापन शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जिसमें रैगिंग का बहिष्कार करने का संकल्प लिया।

EVENTS AND ACTIVITIES

SIP - III for 7th Sem Students

28 February 2025
College Campus
MITS-DU Gwalior

The **SIP-3 (Summer Internship Program)** for **7th semester** students at **MITS Gwalior** plays a crucial role in bridging academics and industry. It focuses on project presentations and assessment of industrial training, allowing students to showcase their practical learning and technical skills. Additionally, the program includes **mock interviews** and **placement preparation sessions** conducted by experts, helping students build **confidence** and improve **communication**. SIP-3 equips students with essential professional skills, making them better prepared for campus placements and future career opportunities.

real-time development. Many discovered their potential, learned new technologies, and improved logical thinking. The competitive yet collaborative environment pushed them beyond textbooks, inspiring a deeper interest in programming and innovation.

EVENTS AND ACTIVITIES

NSS MITS-DU

Har Ghar Tiranga Yatra

14 August 2025
Mela Ground
Thatipur, Gwalior

National Service Scheme (NSS) organised **Har Ghar Tiranga Yatra**. Students of **Madhav Institute of Technology and Science - Deemed University (MITS-DU)** participated as proud volunteers in the biggest nationwide Jan Bhagidari Andolan.

EVENTS AND ACTIVITIES

Space Week

Opening Ceremony

9 August 2025
Conclave Centre
MITS-DU Gwalior

Students got a golden opportunity to ask questions from an **ISRO Scientist** and feed their curiosity about space during the opening ceremony of the **Space Week** of the **Department of Mechanical Engineering, Madhav Institute of Technology and Science - Deemed University (MITS-DU) Gwalior**. **Akhilesh Sharma, Scientist, ISRO**, was invited as the chief guest in the event. A student of MITS Gwalior, Asian Agarwal asked that there are so many satellites in space, so why don't they collide with each other? Scientist Akhilesh Sharma told that International Telecommunications Unit work for it. That organisation allot orbits to every country according to their requirements. That's why situations of collision don't arise. Shreya Goyal asked where do satellites go after the mission. He told that if fuel is left then it is sent 40000 km far in graveyard orbit. Read more..

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार 05

स्पेस वीक: इसरो वैज्ञानिक ने खोले अंतरिक्ष के राज

पीपुल्स संवाददाता • ग्वालियर
मो.नं. 9644644430

एमआईटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के स्पेस वीक के उद्घाटन समारोह में छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया को करीब से जानने और अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने का सुनहरा अवसर मिला। जहां मौजूद इसरो के वैज्ञानिक अखिलेश शर्मा ने छात्रों के सवालों का सहजता से जवाब देते हुए अंतरिक्ष मिशन की जटिलताओं, चुनौतियों और फायदों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम एरोस्पेस क्लब द्वारा आयोजित किया गया।

डीम्ड यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि इस मौके पर छात्रों ने श्री शर्मा से अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न प्रश्नों को पूछा, जिन्हें उन्होंने प्रायोगिक रूप में बताया। जिसके तहत छात्रों ने अंतरिक्ष में अनगिनत सैटेलाइट आपस में क्यों नहीं टकराते, मिशन पूरा होने के बाद सैटेलाइट कहां जाते हैं, अंतरिक्ष में फैले कचरे का क्या होता है आदि अनेकों सवाल किए। श्री शर्मा ने बताया कि स्टारलिंक, यह स्पेसएक्स कंपनी का प्रोजेक्ट है, जिसका लक्ष्य हजारों छोटे सैटेलाइट के नेटवर्क से दुनिया भर में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना है। इसके साथ ही उन्होंने क्रायोजेनिक इंजन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष पर्यटन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। । कार्यक्रम में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. मनीष सागर, डीन रिसर्च डॉ. मनोज गौर, विभागाध्यक्ष डॉ. चन्द्र शेखर मालवी उपस्थित थे।

EVENTS AND ACTIVITIES

Media Coverage

Space Week

दैनिक सत्ता सुधार
ग्वालियर ■ रविवार 10 अगस्त 2025 ■ वर्ष -27 ■ अंक-22 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04
जनता के साथ जनता की आवाज

स्पेस वीक | इसरो के वैज्ञानिक अखिलेश शर्मा ने अंतरिक्ष मिशन की जटिलताओं, चुनौतियों और फायदों पर डाला प्रकाश

छात्रों ने पूछे सवाल, इसरो वैज्ञानिक ने खोले अंतरिक्ष के राज

नव भारत

स्पेस वीक : छात्रों ने पूछे सवाल, इसरो वैज्ञानिक ने खोले अंतरिक्ष के राज

ग्वालियर। एमआईटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के स्पेस वीक के उद्घाटन समारोह में छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया को करीब से जानने और अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने का सुनहरा अवसर मिला। कार्यक्रम में मौजूद इसरो के वैज्ञानिक अखिलेश शर्मा ने छात्रों के सवालों का सहजता से जवाब देते हुए अंतरिक्ष मिशन की जटिलताओं, चुनौतियों और फायदों पर प्रकाश डाला। एमआईटीएस के छात्र ओशियन अग्रवाल ने पूछा कि अंतरिक्ष में अनगिनत सैटेलाइट आपस में क्यों नहीं टकराते? इस पर वैज्ञानिक अखिलेश शर्मा ने बताया, इसके लिए इंटरनेशनल टेलीकम्यूनिकेशन यूनिट काम करती है। यह संस्था हर देश को उसकी जरूरत के अनुसार अंतरिक्ष में एक निश्चित स्थान (ऑर्बिट) आवंटित करती है, जिससे टकराव की स्थिति नहीं बनती। जब श्रेया गोयल ने पूछा कि मिशन पूरा होने के बाद सैटेलाइट कहाँ जाते हैं, तो उन्होंने समझाया कि इसके दो रास्ते हैं। फ्लअगर सैटेलाइट में ईंधन बचा है, तो उसे लगभग 40,000 किलोमीटर दूर ग्रेवयार्ड ऑर्बिट (कब्रगाह कक्षा) में भेज दिया जाता है। दूसरा विकल्प है कि उसे पृथ्वी के निचले ऑर्बिट में लाकर गिरा दिया जाता है, जहाँ वायुमंडल में प्रवेश करते ही वह जलकर नष्ट हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कभी-कभी कुछ टुकड़े पृथ्वी पर गिरने की खबरें भी आती हैं। अंतरिक्ष में फैले कचरे पर स्कूल के छात्र राघव सिंह के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि अब कई स्टार्टअप इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। डीम्ड यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ मनीष सागर, डीन रिसर्च डॉ मनोज गौर, विभागाध्यक्ष डॉ चन्द्र शेखर मालवी उपस्थित थे, कार्यक्रम समन्वयक डॉ नितिन उपाध्याय थे . यह कार्यक्रम एरोस्पेस क्लब द्वारा आयोजित किया गया।

Institution of Engineers

Engineers' Day

15 September 2025
Seminar Hall
Hotel Ramaya

MITS Alumni Association Gwalior and **The Institution of Engineers (India) Gwalior Local Centre** organised a statutory day program on **Engineers' Day**. The theme of the program was **"Deep Tech and Engineering Excellence: Driving India's Techade"**

Students were educated about the Father of Engineering, **Sir Mokshagundam Visvesvaraya**. Harsh Bhardwaj, student of 5th semester, Mechanical Engineering, MITS Gwalior, participated in the seminar, oraganised by IEI Student Chapter Department of EC/ETE, MITS, Gwalior and got awarded with the certificate.

EVENTS AND ACTIVITIES

NSS Vyas Poojan

Bharat's Lost Literature

31 July 2025
Seminar Hall
MITS-DU Gwalior

NSS organised "Vyas Poojan" in **MITS Gwalior. Dr. Rajesh Tomar, Vice Chancellor, Amity University** was invited as the **chief guest.** The event started with the welcome speech of **Dr. Manjaree Pandit, Pro Vice Chancellor, MITS Gwalior.** Keynote speaker **Pankaj Nafde** said that a student should be like a magnet, just like a magnet attracts iron towards itself, students should attract knowledge, values, experience and inspirational elements around them. But a good magnet attracts only the useful things and leaves other things, likewise students should keep themselves away from negativity, bad habits and worthless things. He said that **Jai Jagdish Chandra Bose** proved through his experiments that matter is also living, this is not only a scientific saying but a spiritual fact also.

Dr. Rajesh Tomar said that we should be proud of our culture which is there even after the invaders tried to erase it.

EVENTS AND ACTIVITIES

Media Coverage

NSS Vyas Poojan

पंचमहल केसरी

साप्ताहिक समाचार पत्र पंचमहल केसरी
www.https://pmknews.page
प्रधान संपादक : एस. एस. सिसोदिया

एमआईटीएस समविश्वविद्यालय में हुआ व्यास पूजन एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

ग्वालियर।माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा "व्यास पूजन एवं व्याख्यान" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि यह आयोजन गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंध और नैतिक मूल्यों को उजागर करने हेतु संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. एस. तोमर उपस्थित रहे। उन्होंने व्यास परंपरा और शिक्षकों की समाज में भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, गुरु किसी भी सभ्य समाज की नींव होते हैं। वे न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि जीवन के मूल्यों की भी शिक्षा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने और जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंकज नाफड़े जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय परंपरा में व्यास जी की महत्ता और आधुनिक समय में उस परंपरा के प्रासंगिक स्वरूप पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुरु ही वह दीप हैं जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करते हैं। युवा वर्ग को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जुड़ना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम की शुरुआत व्यास पूजन से हुई, जिसमें संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों और छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन एमआईटीएस ग्वालियर परिसर में किया गया। इस आयोजन का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक प्रज्वल शर्मा, कृष्णा अग्रवाल एवं अन्य स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम अधिकारी श्री दीप किशोर परसेडीया जी एवं श्री सुरेंद्र चौरसिया जी ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों और सहायक सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

दैनिक दर्शन पोस्ट

प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित नहींः पंकज नाफड़े

स्वदेश

ग्वालियर, रविवार 03 अगस्त 2025 04

गुरु केवल ज्ञान ही नहीं, नैतिक मूल्यों का भी निर्माण करते हैं

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को व्यास पूजन एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत व्यास पूजन से हुई, जिसमें शिक्षकों, अधिकारियों और छात्रों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरएस तोमर ने गुरु-शिष्य परंपरा और समाज में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन के नैतिक मूल्यों का भी निर्माण करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने और संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया। वहीं मुख्य वक्ता पंकज नाफड़े ने भारतीय परंपरा में व्यास जी की महत्ता और आधुनिक समय में उसकी प्रासंगिकता पर चर्चा की।

एमआईटीएस में गुरु पूर्णिमा पर व्यास पूजन व व्याख्यान आयोजित

उन्होंने कहा कि गुरु ही वह दीप हैं जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करते हैं और युवाओं को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का संचालन रासेयो इकाई के स्वयंसेवकों प्रज्वल शर्मा, कृष्णा अग्रवाल एवं टीम ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी दीप किशोर परसेडीया, सुरेंद्र चौरसिया सहित अन्य मौजूद रहे।

दैनिक सत्ता सुधार

व्याख्यान | एमआईटीएस सम विवि में हुआ व्यास पूजन

सभ्य समाज की नींव होते गुरुः प्रो. तोमर

EVENTS AND ACTIVITIES

NSS Day Celebration

The **NSS** Unit of **Madhav Institute of Technology & Science (MITS)**, Gwalior, celebrated **NSS Day** on **24th September 2025** with great enthusiasm. The event was perfectly organized by **Mr. Surendra Chourasiya, Coordinator, NSS** and faculty member of the **Mechanical Engineering Department.**

The celebration featured inspiring speeches, cultural performances, and activities highlighting the NSS motto **"Not Me, But You."** Students actively participated, reflecting the spirit of service, unity, and dedication toward social welfare.

IEI Tech Talks for 3rd Year Students

10 March 2025
College Campus
MITS-DU Gwalior

The Institution of Engineers (India) [IEI] Student Chapter at **MITS Gwalior** successfully organized a technical event exclusively for **third-year** students and registered **IEI members**. The event aimed to enhance technical knowledge, professional skills, and industry awareness among budding engineers. It included expert lectures, project presentations, and interactive sessions focused on innovation and practical application.

Prominent faculty members present at the event were **Prof. Vinay Kumar Shukla, Dr. Chhavi Saxena, and Dr. C.S. Malvi,** who encouraged students with their insights and guidance. The event witnessed active participation and was appreciated for its relevance to current engineering challenges. The faculty coordinator, **Mr. Surendra Chaurasiya**, played a key role in organizing and managing the event successfully.

EVENTS AND ACTIVITIES

Mega Blood Donation Camp

30 September 2025
College Campus
MITS-DU Gwalior

A **Blood Donation Camp** was organized by the **NSS (National Service Scheme)** in **MITS Gwalior**, on **30th September 2025**, in loving memory of Late **H. H. Shrimant Madhavrao Scindia Ji**. Under the guidance of **Dr. C. S. Malvi, Professor & Head**, the event witnessed enthusiastic participation

from students and faculty members. Their contribution reflected the true spirit of compassion and social responsibility — proving that "Kindness flows through every drop!"

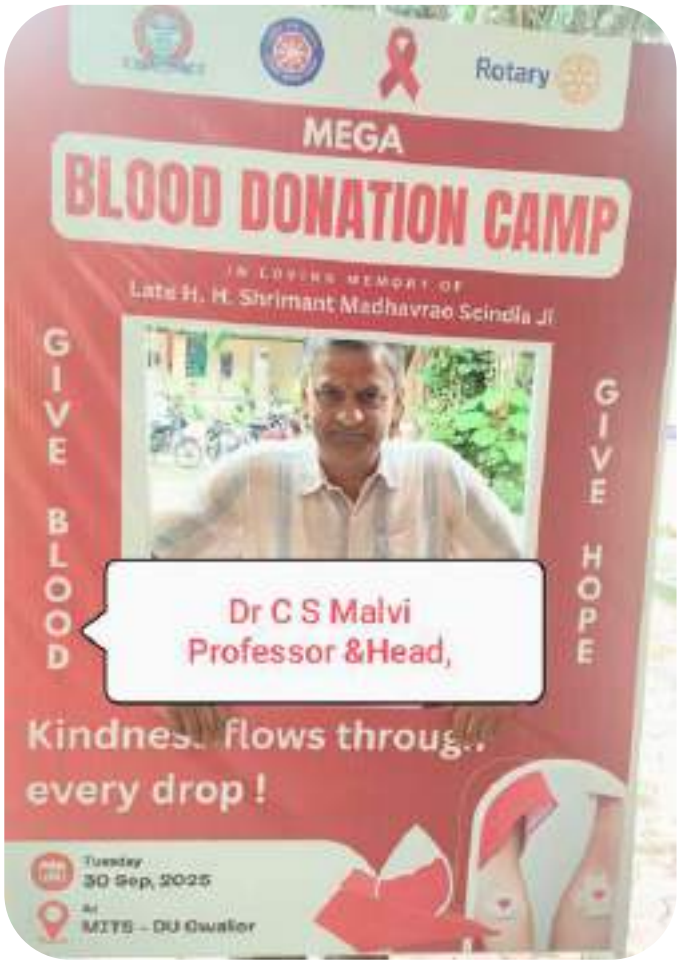

Research Publication

Triboinformatic Analysis

25 July 2025
Article no.: 27160
Scientific Reports

Dr. Amit Aherwar, Faculty of Mechanical Engineering Department, Madhav Institute of Technology and Science (MITS-DU) Gwalior along with Anamika Ahirwar and Vimal Kumar Pathak published a **research article** on the topic "**Triboformatic analysis and prediction of B4C and granite powder filled Al 6082 composites using machine learning regression models**" in **Scientific Reports** journal, highlighting advanced material analysis through AI-driven modeling. The study integrates experimental methods with machine learning to predict wear and friction in B4C–granite reinforced Al 6082 composites. Using seven ML models, Fuzzy logic achieved the best accuracy ($R^2 \approx 0.96$), significantly reducing testing time and improving material design efficiency.

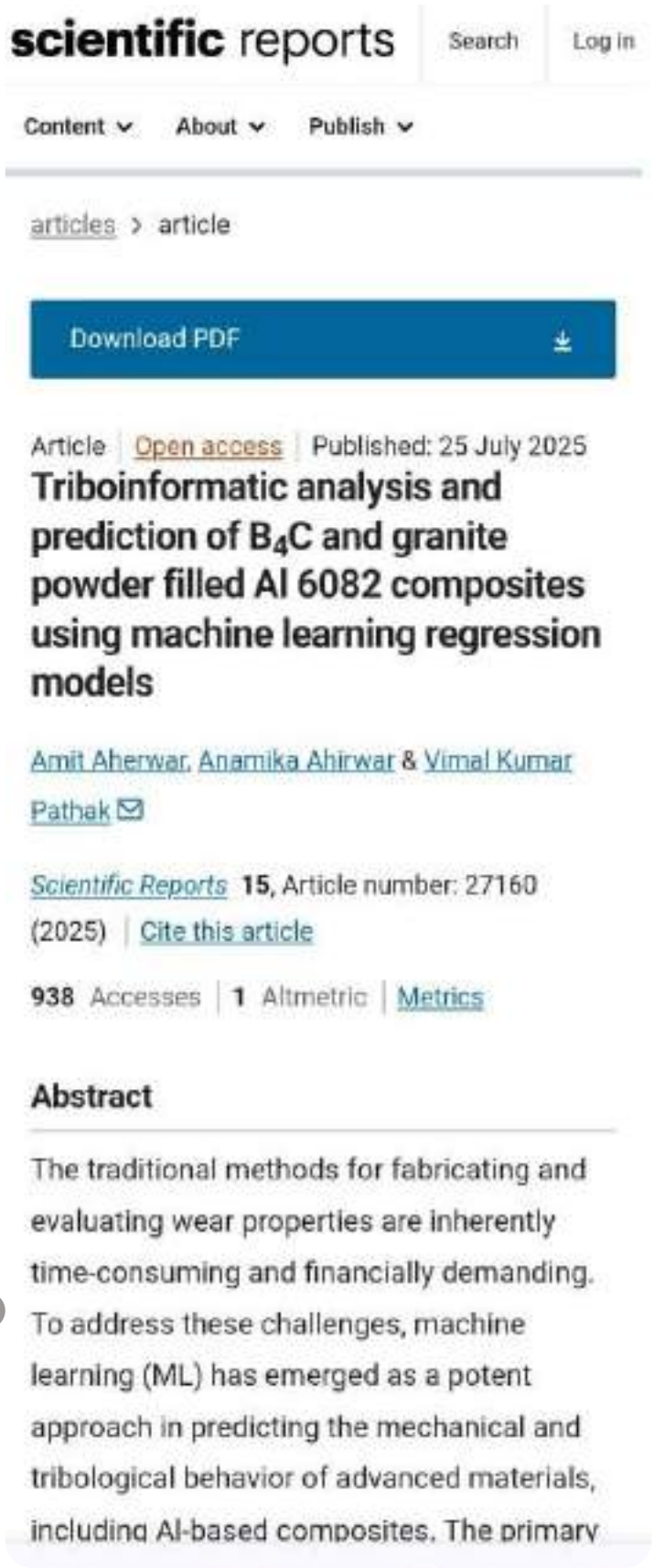

scientific reports | Search | Log in

Content ⌄ About ⌄ Publish ⌄

articles › article

Download PDF

Article | Open access | Published: 25 July 2025

Triboinformatic analysis and prediction of B_4C and granite powder filled Al 6082 composites using machine learning regression models

Amit Aherwar, Anamika Ahirwar & Vimal Kumar Pathak

Scientific Reports **15**, Article number: 27160 (2025) | Cite this article

938 Accesses | 1 Altmetric | Metrics

Abstract

The traditional methods for fabricating and evaluating wear properties are inherently time-consuming and financially demanding. To address these challenges, machine learning (ML) has emerged as a potent approach in predicting the mechanical and tribological behavior of advanced materials, including Al-based composites. The primary

FACULTY NEWS

Research Publication

Desalination and Water Treatment

July 2025
Article no.: 101288
Science Direct

Dr. Manoj Kumar Gaur, Faculty of Mechanical Engineering Department, Madhav Institute of Technology and Science (MITS-DU) Gwalior along with Arpit Nema, Vikas Kumar Thakur, Pushpendra Singh, Vipin Shrivastava and Rahul Roy published a research article on the topic **"Performance assessment of passive solar still with different thermal energy storage materials"** in the **"Desalination and Water Treatment"** journal of **Science Direct.** The study shows black-painted aggregate stones significantly boost solar still water output and reduce production cost compared to conventional and silica sand setups.

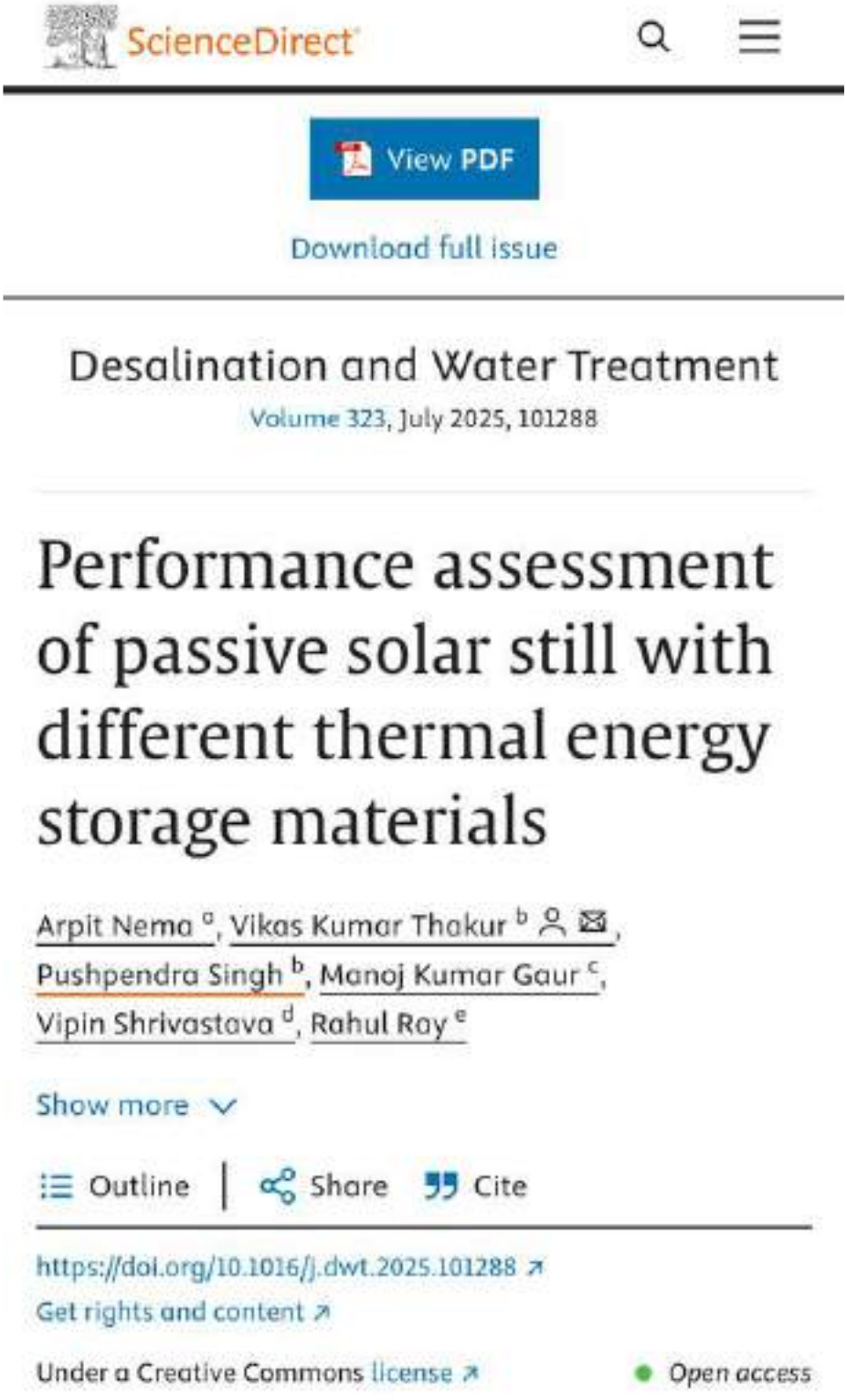

Read more..

Research Publication

Call for Book Chapters

September 2025
CRC Press
Taylor & Francis

CRC Press, Taylor & Francis Group has invited authors to contribute chapters to the book **"Smart Materials: Design, Advanced Manufacturing, and AI Driven Innovation". Dr. Amit Aherwar,** Faculty of **Mechanical Engineering Department, Madhav Institute of Technology and Science (MITS-DU) Gwalior, Dr. Binnur Sagbas, Yildiz Technical University, Turkey and Dr. Savas Dilibal, Istanbul Gedik University, Turkey** are the Editors of the series.

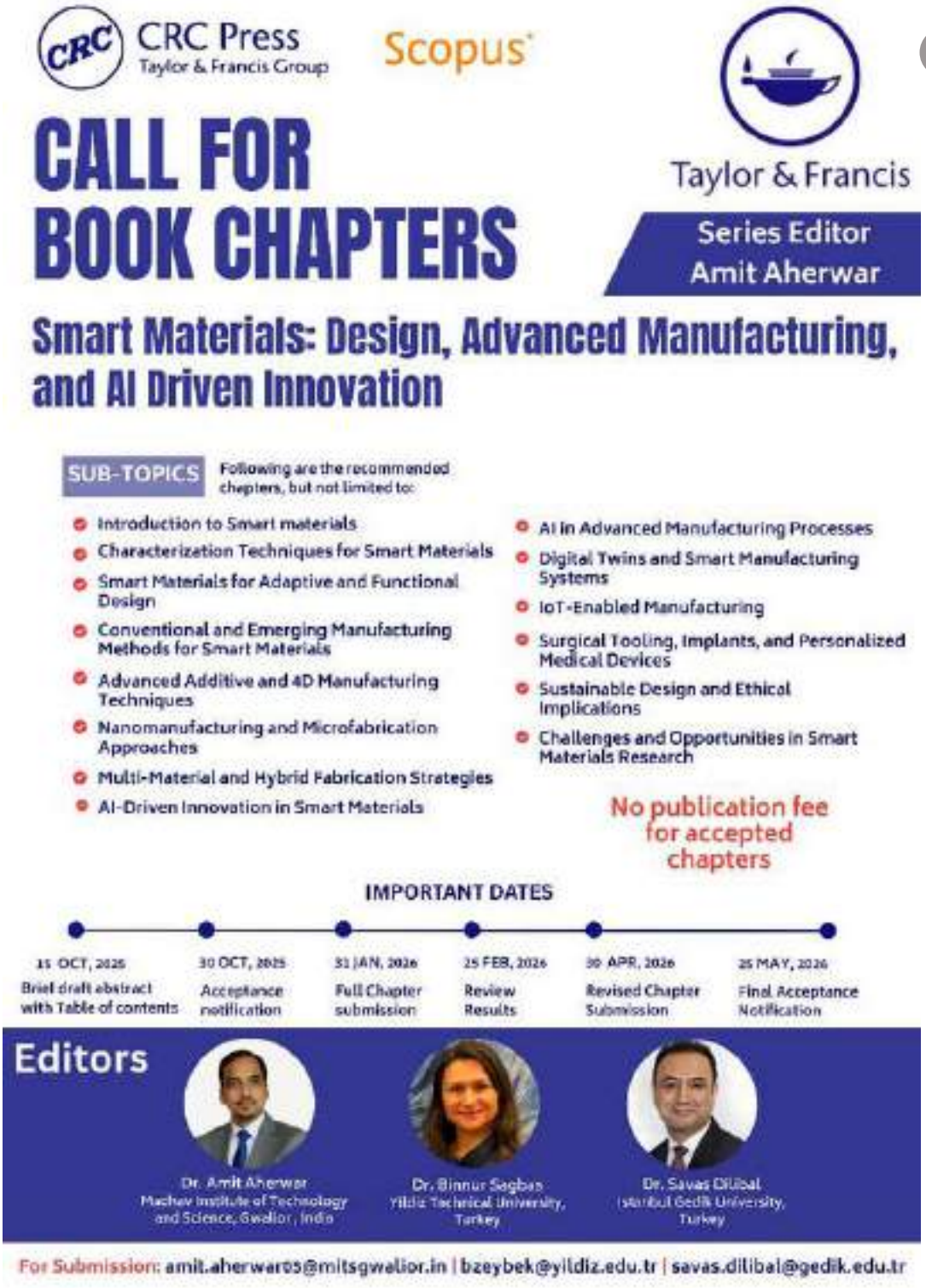

World Environment Day

Solar Power Generation

26 September 2025
College Campus
MITS-DU Gwalior

Educational Institutions are working in the direction of curbing pollution, increasing greenery, stopping plastic usage and manufacturing, conserving energy and reducing carbon footprint to provide safe and breathable environment to the upcoming generations. Students are learning about environment's importance.

During a survey held on the occasion of World Environment Day **Dr. C. S. Malvi, Head of the Mechanical Engineering Depatment, Madhav Institute of Technology and Science - Deemed University (MITS-DU) Gwalior** told that the solar panels installed in the campus of MITS-DU generate 1600 unit electricity per day.

पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस

प्रदूषण रोकने, हरियाली बढ़ाने, जल संचय, प्लास्टिक रोकने, ऊर्जा बचाने की दिशा में काम कर रहे शैक्षणिक संस्थान

शिक्षा के मंदिर से विद्यार्थी सीख रहे पर्यावरण स्वास्थ्य की अहम परिभाषा

सोलर पैनल कैंपस में लगे हैं दो प्लांट हर दिन 1600 यूनिट बिजली होती है जनरेट

472 बीघा के कैंपस में 53 प्रजाति के 2500 से अधिक पेड़

हरियाली

जल

एलएनआईपीई कैंपस है नो प्लास्टिक ज़ोन

प्रदूषण : कैंपस में ई-कार्ट और साइकिल चलती है

छत तालाब में पहुंचता है वर्षा का पानी, इससे गार्डनिंग होती है

IETE Students Forum MITS-DU presents

No Code Knockout

30 August 2025
Seminar Hall VI
MITS-DU Gwalior

The Institution of Electronics and Telecommunication Engineers (IETE) Students' Forum MITS organised **"No Code Knockout"** in **Madhav Institute Technology and Science - Deemed University (MITS-DU) Gwalior.** In this event the students had to design and build a **website** using AI tools without any **coding**.

Divyanshi Suri, student of **1st Semester Mechanical Engineering, MITS Gwalior** participated in the event got awarded with the certificate. We congratulate her on behalf of the department and wish for her bright future.

CULTURAL COMPETITIONS

This is to certify that

DIVYANSHI SURI

has participated in **Cultural Competitions September 2025**, organized by **National Service Scheme** Unit I & Unit II of **Madhav Institute of Technology & Science, Deemed University Gwalior** on **14th September 2025** and hereby awarded with this **E-Certificate.**

Dr. S.K Chourasiya
Program Officer NSS Unit 1
MITS DU Gwalior

Prof. D.K Parsediya
Program Officer NSS Unit 2
MITS DU Gwalior

This is an E Certificate and only valid for E Validation in any case. This certificate is only valid if it is along with the official mail in the name of awardee only. The certificate must be dismissed if any discrepancy is found.

NSS Cultural Program *shines at* MITS Gwalior

14 September 2025
Seminar Hall VI
MITS-DU Gwalior

The **NSS Cultural Program** at **Madhav Institute of Technology and Science (MITS), Gwalior**, showcased a vibrant blend of talent, culture, and social awareness. Organized by the National Service Scheme unit, the event featured energetic performances in music, dance, and drama, reflecting India's rich heritage and contemporary social themes.

The program aimed to foster unity, creativity, and civic responsibility among students. It was well-received by the audience and served as a platform for youth expression and community engagement.

Divyanshi Suri student of **1st Semester, Mechanical Engineering, MITS Gwalior** participated in the **poetry competition** organised by National Service Scheme Unit I and Unit II of **Madhav Institute of Technology and Science, Deemed University Gwalior** on 14th September 2025 and has been awarded with the E-certificate. We congratulate her on behalf of the department and wish for her bright future.

STUDENTS NEWS

Intra College

Basketball Competition

15 September 2025
College Campus
MITS Gwalior

Sports Club of **MITS Gwalior** organised an **Intra College Basketball Competition** on **15th September 2025.** Students of **MITS** participated in the event with great enthusiasm.

Aniket Singh Gurjar, student of **B.Tech (Mechanical Engineering) 3rd year at Madhav Institute of Technology and Science (MITS) Gwalior** participated in the competition and achieved **first position.** We congratulate him on behalf of the department and wish for his bright future.

STUDENTS NEWS

Placement in OneBanc

September 2025
OneBanc Pvt Ltd
Gurugram

Aryan Jha, student of **Mechanical Engineering (2022-26 Batch), Madhav Institute of Technology and Science (MITS), Gwalior** got placed and started his journey and earning in final year as an intern in **OneBanc Technology Pvt. Ltd.** a fintech startup based in **Gurugram** at a package of approximately **5 Lakhs** per Annum. OneBanc is a **neobank** (digital banking platform) based in India that offers smart, app-based financial services without relying on traditional branch infrastructure. We congratulate him on behalf of the department and wish for his bright future.

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world"
- Nelson Mandela

ALUMNI NEWS

National Film Award

Sirf Ek Banda Kaafi Hai

1 August 2025
Vigyan Bhawan
New Delhi

Deepak Kingrani, Alumni of Madhav Institute of Technology and Science (MITS), Gwalior, got awarded with the **71st National Film Award for Best Screenplay (Dialogue Writing)** for **Sirf Ek Banda Kaafi Hai (Hindi).** This is a proud moment for **MITS Gwalior.** We congratulate him on behalf of the department for his tremendous success and wish for his bright future.

How Mansi Mishra chose growth over fear in the changing world of technology

When Machines Take Over, It's Humans Who Must Evolve

12 August 2025
Chipotle Mexican Grill
Newport Beach, California

In the last few years, the world of technology has changed faster than anyone imagined. The kind of jobs once considered safe and secure—especially in software engineering—are now slowly disappearing. Artificial Intelligence is doing the work of junior developers, automation is reducing hiring, and many young engineers are left searching for new directions.

दैनिक भास्कर ग्वालियर 12-08-2025

रोजगार टेक कंपनियों में जूनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के काम अब एआई असिस्टेंट कर रहा

एआई से टेक जॉब घटीं, विकल्प तलाश रहे युवा

कम्प्यूटर इंजीनियर मनसी को सेल्स का जॉब ऑफर

Mansi Mishra, a computer engineering graduate, saw this change up close. Like many others, she had dreams of working in a top tech company. But when job openings began to shrink, she decided not to give up. Instead, she learned new skills, explored research, and started focusing on areas where human creativity still matters—like data science, sustainable tech, and innovation.

Her story is just one example of how today's youth are adapting to a world where technology itself is changing the rules. The truth is, it's not enough to just know how to code anymore—you have to keep learning, keep evolving, and be ready to reinvent yourself when things shift.

Mansi's journey reminds us that success isn't about staying comfortable; it's about moving forward even when the path changes.

"The future doesn't belong to the smartest machines —it belongs to the most adaptable minds."

- ChatGPT

Rise Beyond Regret: Turning Past Mistakes into Pathways for Growth and Strength

Finding freedom in lessons, not chains of yesterday

Failure is not the end; it is a turning point and a reminder that growth often hides behind struggle. When the weight of unfulfilled commitments and regrets feels unbearable, remember that every person who ever achieved greatness has walked through the same storm.

The first step forward is acceptance. Acknowledge your mistakes, but don't let them become your identity. As Thomas Edison once said, "I have not failed. I've just found 10,000 ways that won't work." Regret loses its grip when you turn lessons into action and pain into purpose.

Forgiveness is essential for yourself as well as others. Grudges keep you chained to the past, but gratitude unlocks new beginnings. "Our greatest glory is not in never falling, but in rising every time we fall," said Confucius, reminding us that resilience defines strength more than perfection ever will.

Let your motivation come from hope ,the belief that your story is still unfolding. The past may shape you, but it does not have to confine you. Every new day is proof that redemption and renewal are still possible.

Keep moving forward. You are not your failures; you are your courage to rise beyond them.

- Anonymous

Proof that simplicity, strength, and daring to be yourself can shape the future

The Woman Who Changed the Way the World Dresses: Coco Chanel

Gabrielle "Coco" Chanel was born on **August 19, 1883**, in **Saumur, France**. Her childhood was marked by loss and poverty — when her mother died, her father abandoned the family, and she was sent to an orphanage run by nuns. There, she learned to sew out of necessity, never imagining that needle and thread would become her way to freedom.

When she left the orphanage, she had no money, no title, and no connections — only ambition. She sang in cafés, repaired clothes, and dreamt of building a life beyond survival. Step by step, she turned her skill into opportunity, opening a small hat shop in Paris. What began as a humble venture soon transformed into a fashion revolution.

During the years of **World War I**, while much of **Europe** struggled, Coco's ideas flourished. Women working in factories needed clothes that allowed them to move freely, and she gave them just that — simple, elegant designs made from comfortable fabrics like jersey. In an era when luxury meant excess, Coco redefined fashion with restraint. She proved that true style was not about wealth, but about confidence.

After the war, her empire expanded rapidly. The interwar years saw the birth of **Chanel No. 5**, a perfume that became a symbol of sophistication around the world. Even through **World War II**, when business slowed and Paris changed, Chanel's name never faded. Her brand stood for resilience — the idea that elegance and courage could outlast chaos. Coco once said, "Fashion is not something that exists in dresses only. Fashion is in the sky, in the street, it has to do with ideas, the way we live." Her life was proof of that belief. She turned pain into power, struggle into creativity, and independence into art.

Her story reminds us that success doesn't come from privilege but from perseverance. She built her empire brick by brick — with imagination, hard work, and the courage to be different. Coco Chanel showed the world that even in the hardest times, confidence and vision can rewrite history.

"The ones who create their own path are the ones who inspire others to follow."

-Harsh Bhardwaj

STUDENT WRITINGS

Poetry

ज़रूरत

मुझे तुम्हारी ज़रुरत है।

उस तरह नहीं जैसे किसी बच्चे को खिलौने की,
या किसी इंसान को फ़ोन की ज़रुरत होती है,

बल्कि उस तरह जैसे समुद्र को नमक की, फूल
को पानी की, दिल को खून की ज़रुरत होती है।

मुझे ज़िंदा रहने के लिए तुम्हारी ज़रुरत है।

Patthar

Kash hum dono hii pathaar hote
Hum dono hii ko tarasha jata

Tum banjati shivling
Aur me nandi sa ho jata

Issi bahane kuch der aur
tumhare pass beitha rehta

Pyaas too tab bhi nahi bujhte
Par ek ehsaas too reh jata

-Aniket Singh Gurjar
Mechanical Engineering, 3rd Year

Prose-Poetry

Searching Warmth

The soul lingering with a sense of hope once is now being weighed down by the harsh reality, striking faster than lightning on a thunderous night. Possibly, this world is not rainbows and peace, not a fairy tale we were made to dream of as children. Careless being once is now too careful, such a level of carefulness which makes one question the mornings with dreadful tired eyes while nights unanswered as usual due to the ghastly figures of guilt in the dark, guilt of losing your youth, your career, maybe your people too if they grow as tired as you are with yourself. Although all of that was said to be too much to be felt by a young soul, the feeling could not be suppressed. The words seemed to sink in vain as the surroundings felt too drowsy. "Maybe the only way to survive would be to face the world on your own, alone," was the only thought echoing within a little room of sanity left behind. One might feel stranded for a while with no one to rely on, but maybe that's what this soul needs now, away from the words and chant of name, away from the hidden taunts behind those queries.

So, they went off in search of peace, where there would be only this person along with the chatter of leaves. Where squirrels would be the only ones they'd share their mind with. And indeed they found such a place, amidst the middle of nowhere, between the forests, mingling with the scent of earth. The sun rays which shone on their face as their bones took in the morning breath, and the lullaby of the moon when every evening sighed to the relief of calmness.

With every day they grew, they started taking a safer breath, a calm for which they didn't have to anticipate chaos. A mind that used to be their cage now carries the gratitude of the sun's warmth. A breath that used to feel colder by every passing second felt as warm as the summer afternoon breeze. From the person who forgot themselves amidst the chaos of words and exclamations, now arose a person who carries a newfound potential to learn everything about nature.

-Shreya Zutshi
Mechanical Engineering, 2nd Year

Poetry

मतलब

हर कोई यहाँ मतलब का सौदागर है,
चेहरा मीठा, अंदर से खंजर है,

यारी की बातें थी, पर अब गिनती का खेल है,
हर रिश्ता जैसे कोई चालाक सा मेल है।

प्यार भी अब शर्तों में बँट जाता है,
जिस दिन चाहत पूरी हो, वो कट जाता है,

तू भी आया जब ज़रूरत पड़ी,
और गया जब ज़िम्मेदारी बढ़ी।

ना शिकवा ना कोई सवाल है,
बस समझ लिया, यही इस दौर का हाल है,

दिल की दुनिया अब किताबों में मिलती है,
हक़ीक़त में तो बस मतलब की सिलवटें सिलती हैं।

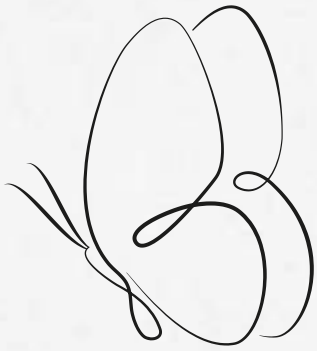

- Archna Prajapati (Sahiba)
Mechanical Engineering, 3rd Year

Poetry *(Ghazal)*

Ummeed

हम जाएँगे तो कुछ अच्छी चीज़ ले कर आयेंगे
रुको तुम्हारे लिए हम उम्मीद ले कर आयेंगे

कभी जो हमें उसके ठिकाने मिल गए तो
ज़रूर उस सोहणे यार की दीद ले कर आयेंगे

मोहब्बत में जो हिसाब बाक़ी रह गया था
उस ख़सारा-ए-इश्क़ की रसीद ले कर आयेंगे

कहते हैं ढूँडे से तो खुदा भी मिल जाता है
मिल गया तो तेरा पता मज़ीद ले कर आयेंगे

गर तो आ गए उसके दायर-ए-रहमत में हम
वापस तुम्हारी जो नहीं मनी हर ईद ले कर आयेंगे

chocolate, perfume, घड़ियों तक है आशिक़ी
फ़रेब है कि वो माह-ओ-खुर्शीद ले कर आयेंगे

- Harsh Bhardwaj
Mechanical Engineering, 3rd Year

click here to read more...

PROGRAM OUTCOMES

PROGRAM EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- Graduates of the program will be able to have successful professional career.
- Graduates of the program will be able to develop attitude of learning and become adaptable to dynamic industrial and social environment.
- Graduates of the program will be able to design and develop mechanical system by using skills and knowledge of core competency along with allied engineering skill.
- Graduates of the program will be able to undertake interdisciplinary research needed to build a sustainable society.

PROGRAM OUTCOMES (POs)

Mechanical and Automobile Engineering Graduates will be able to:

- Engineering knowledge: Apply the knowledge of mathematics, science, engineering fundamentals, and an engineering specialization to the solution of complex engineering problems.
- Problem analysis: Identify, formulate, review research literature, and analyze complex engineering problems reaching substantiated conclusions using first principles of mathematics, natural sciences, and engineering sciences.
- Design/development of solutions: Design solutions for complex engineering problems and design system components or processes that meet the specified needs with appropriate consideration for the public health and safety, and the cultural, societal, and environmental considerations.
- Conduct investigations of complex problems: Use research-based knowledge and research methods including design of experiments, analysis and interpretation of data, and synthesis of the information to provide valid conclusions.
- Modern tool usage: Create, select, and apply appropriate techniques, resources, and modern engineering and IT tools including prediction and modeling to complex engineering activities with an understanding of the limitations.
- The engineer and society: Apply reasoning informed by the contextual knowledge to assess societal, health, safety, legal and cultural issues and the consequent responsibilities relevant to the professional engineering practice.
- Environment and sustainability: Understand the impact of the professional engineering solutions in societal and environmental contexts, and demonstrate the knowledge of, and need for sustainable development.
- Ethics: Apply ethical principles and commit to professional ethics and responsibilities and norms of the engineering practice.
- Individual and team work: Function effectively as an individual, and as a member or leader in diverse teams, and in multidisciplinary settings.
- Communication: Communicate effectively on complex engineering activities with the engineering community and with society at large, such as, being able to comprehend and write effective reports and design documentation, make effective presentations, and give and receive clear instructions.
- Project management and finance: Demonstrate knowledge and understanding of the engineering and management principles and apply these to one's own work, as a member and leader in a team, to manage projects and in multidisciplinary environments.
- Life-long learning: Recognize the need for, and have the preparation and ability to engage in independent and life-long learning in the broadest context of technological change.

NEWSLETTER COMMITTEE

Dr. Surendra Kumar Chourasiya
Faculty Incharge
ME Assistant Professor

mech.d_mits
ME official IG, YT & FB
Follow for latest updates

Team Members

Khushi Kumari
Marketing Specialist
ME 3rd Year
https://www.linkedin.com/in/khushi-kumari-al3243368/

Mansi Verma
Graphic Designer
ME 3rd Year

Shreya Sharma
Content Writer
ME 3rd Year
linkedin.com/in/shreya-sharma-0262b5214

Archna Prajapati
Media Manager
ME 3rd Year
https://www.linkedin.com/in/archna-prajapati-la19a02a8/

Harsh Bhardwaj
Editor
ME 3rd Year
linkedin.com/in/harshbhardwaj18

Muskan Swami
Content Writer
ME 3rd Year
https://www.linkedin.com/in/muskan-swami-32a868381/

'अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर,
लोग साथ आते गए और कारवाँ बनता गया"
- मजरूह सुल्तानपुरी

Darpanam
दर्पणम्

We welcome your recent news for inclusion in our next newsletter. Please email your updates to rescuebird18@gmail.com

DISCLAIMER:

'MITS Mechanical Engineering department E-Newsletter' is meant for Private Circulation only intended to bring quarterly updates of the institute's activities related information published in various media like newspapers, and digital media, etc. to the attention of members of research and academic fraternity of India. Sources of all cited information have been acquired from concerned individuals and are duly acknowledged and members are advised to read, refer, research and quote content from the original source only, even if the actual content is reproduced. The information content does not reflect quality judgment, prejudice or bias by MITS Mechanical Engineering department E-Newsletter committee. Selection is based on the relevance of content to members, readability/ brevity/ space constraints/ availability of content.

Department of Mechanical Engineering
Madhav Institute of Technology and Science
Gwalior 474005
mitsgwalior.in/newsletter-me

Published by E-Newsletter Committee dept. of Mechanical Engg. MITS Gwalior
Design Layout: Harsh Bhardwaj

A Quarterly Newsletter: September 2025